राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम
खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान
और भौतिकी में

2026-2027

leading to participation in International Olympiads

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान
वी. एन. पूरव मार्ग,
मानखुर्द
मुंबई - 400 088, भारत

Tel: 022 - 2507 2322, 2507 2300
URL: olympiads.hbcse.tifr.res.in

AN INVITATION TO EXPERIENCE THE FUN, CHALLENGE AND DEPTH OF DOING SCIENCE

मूलभूत विज्ञान में देश में एक प्रमुख ओलंपियाड कार्यक्रम जारी है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व-विश्वविद्यालय के विद्यार्थिओं के बीच विज्ञान में उत्कृष्टता का प्रचार प्रसार करना है ताकि वे विद्यार्थी गण खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिकी में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित हो सकें। .

यह विवरणिका : छात्र, शिक्षक, माता-पिता और अन्य सभी संबंधितों को इस कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक जानकारी देती है।

भारत के गौरव को बढ़ाइए

NSEA/NSEB/NSEC/NSEP में नामांकन कीजिये

प्रस्तावना

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड आंदोलन का उद्देश्य विश्व भर के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर के प्रतिभाशाली छात्रों को एक साथ लेकर एक उच्चतम स्तर की मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा में सहभागिता कराना है। ओलंपियाड प्रत्यक्ष रूप से भले ही किसी भी करियर लाभ की ओर ना ले जाए, परंतु वे विज्ञान या गणित के क्षेत्र में जीवन यात्रा करने के लिए आवश्यक उद्दीपन प्रदान करते हैं ताकि जीवन पर्यन्त रोमांचक बौद्धिक चुनौतियों के लिए प्रोत्साहन मिलता रहे। दरअसल ओलंपियाड प्रतियोगिताएं तो हैं ही,साथ ही ये दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा दिमागों के लिए चौपाल हैं। ओलंपियाड में बनी कई मित्रताएँ भविष्य के लिए वैज्ञानिक सहयोग की नींव रखती हैं। जैसे खेलों में ओलंपिक होते हैं वैसे ही ओलंपियाड भी स्कूल स्तर के विज्ञान और गणित में सर्वश्रेष्ठ होने के उत्सव का नाम है। विश्व स्तर पर ओलंपियाड कार्यक्रमों का लक्ष्य केवल अंतर्राष्ट्रीय आयोजन ही नहीं है, बल्कि स्कूल के शैक्षणिक पाठ्यक्रम को समृद्ध बनाने के लिए एक राष्ट्रीय संवाहक चैनल के रूप में काम करना भी है। इन परीक्षाओं के विस्तार से परे भी, ओलंपियाड की प्रश्नावलियां विज्ञान की शिक्षा, शिक्षण और अधिगम के अवसर के रूप में विशेष बौद्धिक प्रोत्साहन प्रदान करती हैं।

भारत का वैज्ञानिक समुदाय गणित और बुनियादी विज्ञान में एक राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम की आवश्यकता को समझता है, जिससे आगे अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। भारत 1989 से गणित में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में भाग ले रहा है, और इसके बाद में भौतिकी (1998), रसायन विज्ञान (1999), जीवविज्ञान (2000), खगोल विज्ञान (1999) और जूनियर विज्ञान (2007) में भी भाग लेना शुरू कर दिया। समय के साथ प्रत्येक विषय में छात्रों का नामांकन लगातार बढ़ता रहा है, और वर्तमान में विभिन्न विषयों में यह आंकड़ा 20000 से 70000 के बीच है। विज्ञान ओलंपियाड कार्यक्रम में देश भर से बड़ी संख्या में शिक्षक और वैज्ञानिक शामिल होते हैं। देश में सभी विज्ञान और गणित ओलंपियाड के लिए प्रमुख नोडल एजेंसी होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र (HBCSE) है, जो टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR) का ही एक राष्ट्रीय केंद्र है। ओलंपियाड कार्यक्रम विभिन्न शिक्षक संघों , इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (आईएपीटी), एसोसिएशन ऑफ केमिस्ट्री टीचर्स (एसीटी), और एसोसिएशन ऑफ टीचर्स इन बायोलॉजिकल साइंसेज (एटीबीएस) के समर्पित सहयोग से चलाया जाता है: । खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिकी में ओलंपियाड के पहले चरण की परीक्षाएं IAPT द्वारा आयोजित की जाती हैं, जबकि बाद के चरणों की जिम्मेदारी HBCSE की होती है। जूनियर साइंस ओलंपियाड के सभी चरणों का प्रभार IAPT संभालता है।

विज्ञान ओलंपियाड कार्यक्रम पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग (बीआरएनएस, डीएई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), शिक्षा मंत्रालय (एमई) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, अंतरिक्ष विभाग के माध्यम से वित्त पोषित है। राष्ट्रीय ओलंपियाड की देखरेख दायित्व डीएई द्वारा गठित एक राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) द्वारा संभाला जाता है, और इसमें प्रत्येक फंडिंग एजेंसी के सदस्यों के साथ-साथ प्रत्येक विषय के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ भी शामिल होते हैं।

ओलंपियाड में भागीदारी की शुरुआत से ही, भारतीय छात्रों ने हर विषय में अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पिछले 25 वर्षों की भागीदारी में भारत के लगभग 850 प्रतियोगियों में से 99% से अधिक ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक और उपलब्धि अर्जित की है। एक-तिहाई से अधिक छात्रों ने प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीते हैं, और अन्य कई विशेष पुरस्कार भी इसमें शामिल हुए हैं। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी ओलंपियाड में भारत की सशक्त भागीदारी को पूर्ण मान्यता दी है। भारत ने हर विषय में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड की मेजबानी भी की है जिसमे गणित (1996), रसायन विज्ञान (2001), खगोल विज्ञान (2006, 2016 और 2025), जीव विज्ञान (2008), जूनियर विज्ञान (2013) और भौतिकी (2015) शामिल हैं।

राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम पांच चरण की प्रक्रिया के द्वारा संचालित होता है, जिसका प्रथम चरण देश भर के लगभग 2000 स्कूलों में आयोजित परीक्षा से होता है और इसका समापन दुनिया के विभिन्न कोनों में अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड के साथ संपन्न होता है। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं को वैचारिक समझ, तार्किक लब्धि, प्रयोगशाला कौशल और इन सबसे ऊपर, सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक दोनों प्रकार से आदर्श स्थितियों में समस्या-समाधान कौशल को विकसित करने की क्षमता का आंकलन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रशिक्षण को कार्यक्रम के तीसरे चरण से शामिल किया गया है और पहले दो चरणों के लिए नियमित स्कूल प्रणाली पर्याप्त है और बाहर से किसी अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है। इस विवरणिका में वर्ष 2026-2027 के कार्यक्रम की रूपरेखा दी गयी है।

Overview of the Science Olympiads: Five Stages

खगोल विज्ञान (एनएसईए), जीव विज्ञान (एनएसईबी), रसायन विज्ञान (एनएसईसी) और भौतिकी (एनएसईपी) में राष्ट्रीय मानक परीक्षाएं राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम में छात्रों के चयन के लिए पहले चरण का गठन करती हैं। **कार्यक्रम के क्रमिक चरणों से गुजरने और 2027 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भाग लेने के इच्छुक प्रत्येक अभ्यर्थी विद्यार्थी को 2026 में आयोजित होने वाले संबंधित विषयों में एनएसई के लिए नामांकन करना होगा।**

एनएसई/और उसके बाद के चरणों के लिए अर्हता :

छात्र को खगोलशास्त्र, जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान या भौतिकी में एनएसई (NSE) में शामिल होने के लिए नीचे दी गई सभी शर्तों को पूरा करना आवश्यक है।

1. भारतीय पासपोर्ट रखने के लिए अर्ह होना चाहिए। *

   1 (क) मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, ओसीआई (OCI) विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में भारतीय टीम में चयन के लिए अर्ह नहीं होंगे। हालाँकि, ऐसे विद्यार्थी ओसीएससी (चरण III) तक और इसमें शामिल सभी पूर्व चरणों में चयन के लिए अनंतिम रूप से अर्ह हैं, बशर्ते वे अन्य सभी मानदंडों को पूरा करते हों। वे ओसीएससी में चयन परीक्षा लिखने के लिए भी अनंतिम रूप से अर्ह हैं। यह नीति अदालतों या किसी सक्षम सरकारी प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए किसी भी अगले आदेश के आधार पर बिना किसी पूर्व सूचना के संशोधन के अधीन है।

2. छात्रों की जन्मतिथि 1 जुलाई 2007 से 30 जून 2012 के बीच, (दोनों दिन मिलाकर) होनी चाहिए।
3. विद्यार्थी 30 नवंबर 2024 या उससे पहले से भारत में रह रहा हो और पढ़ रहा हो।

   अथवा

   30 नवंबर 2024 या उससे पहले से भारतीय स्कूल प्रणाली में पढ़ रहा होना चाहिए।
4. नामांकन के समय छात्र को कक्षा 10वीं, 11वीं या 12वीं में अध्ययनरत होना चाहिए।
5. 30 नवंबर 2026 से पहले कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण नहीं होनी चाहिए (या पूरा करने के लिए निर्धारित नहीं होनी चाहिए)।
6. 1 जून, 2027 तक किसी विश्वविद्यालय या समकक्ष संस्थान में पढ़ाई शुरू नहीं की होनी चाहिए (या शुरू करने की योजना नहीं होनी चाहिए)।
7. जूनियर साइंस (NSEJS) 2026 में राष्ट्रीय विज्ञान परीक्षा में शामिल नहीं होना चाहिए।**यह निर्धारित करना विद्यार्थी की जिम्मेदारी है कि वह अर्हता मानदंडों को पूरा करता है या नहीं। यदि बाद के किसी चरण में यह पाया जाता है कि विद्यार्थी अर्हता मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो उसे कार्यक्रम से अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है।**

First stage Examination	Date, Time and Venue of Examination	Question paper pattern	Language	Syllabus
National Standard Examination in Astronomy (NSEA)	November 21, 2026 (Saturday) 14:30 – 16:30 hrs Respective NSE Exam centre	A) 48 multiple choice questions with one alternative correct. +3 marks credit for correct choice. -1 mark penalty for incorrect choice. B) 12 multiple choice questions each of six marks with one or more than one correct alternatives. To get credit, all the correct option(s) and no incorrect option(s) should be marked.	English & Hindi (option at the time of enrolment)	Is broadly equivalent to senior secondary level (up to and including Class XII) of CBSE India. There will be greater emphasis on Physics, Mathematics and elementary Astronomy.
National Standard Examination in Biology (NSEB)	November 22, 2026 (Sunday) 14:30 – 16:30 hrs Respective NSE Exam centre	A) 48 multiple choice questions with one alternative correct. +3 marks credit for correct choice. -1 mark penalty for incorrect choice. B) 12 multiple choice questions each of six marks with one or more than one correct alternatives. To get credit, all the correct option(s) and no incorrect option(s) should be marked.	English, Hindi, Gujarati, Bangla, Kannada, Tamil & Telugu or any Indian Language provided 300 students opt for it (option at the time of enrolment)	Is broadly equivalent to senior secondary level (up to and including Class XII) of CBSE India.

First stage Examination	Date, Time and Venue of Examination	Question paper pattern	Language	Syllabus
National Standard Examination in Chemistry (NSEC)	November 22, 2026 (Sunday) 11:30 – 13:30 hrs Respective NSE Exam centre	A) 48 multiple choice questions with one alternative correct. +3 marks credit for correct choice. -1 mark penalty for incorrect choice. B) 12 multiple choice questions each of six marks with one or more than one correct alternatives. To get credit, all the correct option(s) and no incorrect option(s) should be marked.	English, Hindi, Gujarati, Bangla, Kannada, Tamil & Telugu or any Indian Language provided 300 students opt for it (option at the time of enrolment)	Is broadly equivalent to senior secondary level (up to and including Class XII) of CBSE India.
National Standard Examination in Physics (NSEP)	November 22, 2026 (Sunday) 08:30 – 10:30 hrs Respective NSE exam centre	A) 48 multiple choice questions with one alternative correct. +3 marks credit for correct choice. -1 mark penalty for incorrect choice. B) 12 multiple choice questions each of six marks with one or more than one correct alternatives. To get credit, all the correct option(s) and no incorrect option(s) should be marked.	English, Hindi, Gujarati, Bangla, Kannada, Tamil & Telugu or any Indian Language provided 300 students opt for it (option at the time of enrolment)	Is broadly equivalent to senior secondary level (up to and including Class XII) of CBSE India.

एनएसई के लिए नामांकन:

विद्यार्थी के अपने स्कूल/कॉलेज में नामांकन: कोई विद्यार्थी अपने संस्थान में एनएसई के लिए नामांकन कर सकता है यदि वह संस्थान एक पंजीकृत एनएसई केंद्र है (एनएसई केंद्रों के पंजीकरण के लिए नीचे देखें)। प्रधानाचार्य इस उद्देश्य के लिए संपर्क के व्यक्ति होंगे।

प्रत्यक्ष नामांकन: यदि किसी विद्यार्थी का अपना संस्थान पंजीकृत एनएसई केंद्र नहीं है, तब भी उसके लिए आईएपीटी वेबसाइट: www.iapt.org.in पर सीधे नामांकन करके एनएसई में भाग लेना संभव है।

नामांकन शुल्क: रु. **300/-** प्रति विद्यार्थी प्रति विषय।

नामांकन तिथियाँ: 21 अगस्त - 14 सितंबर, 2026 (आईएपीटी वेबसाइट देखें)

एनएसई केंद्र पंजीकरण: कोई भी राज्य मान्यता प्राप्त स्कूल/कॉलेज न्यूनतम 20 छात्रों के नामांकन के साथ एनएसई का केंद्र बनने के लिए अर्ह है, जो आईएपीटी परीक्षाओं के मुख्य समन्वयक के अनुमोदन के अधीन है। IAPT वेबसाइट पर ऑनलाइन एनएसई केंद्र पंजीकरण 1 अगस्त से 20 अगस्त, 2026 के बीच जारी होगा।

संपर्क:

Prof. B. P. Tyagi (Chief Coordinator, IAPT Examinations)
15, Block II, Rispana Road,
DBS (PG) College Chowk, Dehradun 248 001
E-mail: iapt.nse@gmail.com
Tel. No: 9632221945 (Mon-Fri: 10.00 to 13.00 and 14.00 to 17.00)

एनएसई परीक्षा आईएपीटी (IAPT) की ही जिम्मेदारी है। एनएसईए, एनएसईबी, एनएसईसी, एनएसईजेएस और एनएसईपी के बारे में सभी प्रश्न उपर्युक्त पते पर भेजे जाने चाहिए। कृपया इस संबंध में एचबीसीएसई (HBCSE) से संपर्क न करें।

द्वितीय चरण भारतीय राष्ट्रीय ओलंपियाड परीक्षा (INO)

चयन प्रक्रिया के दूसरा चरण, खगोल विज्ञान (INAO), जीवविज्ञान (INBO), रसायन विज्ञान (INChO) और भौतिकी (INPhO) में भारतीय राष्ट्रीय ओलंपियाड को 2027 की शुरुआत में HBCSE द्वारा आयोजित किया जाएगा। ये परीक्षाएं देश के लगभग 17 केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। नीचे दिए गए मानदंडों के अनुसार आईएनओ के लिए चयनित छात्रों की सूची 15 जनवरी, 2027 तक आईएपीटी वेबसाइट: www.iapt.org.in पर प्रकाशित की जाएगी।

INO में उपस्थित होने वाले सभी छात्रों को अपने INO प्रवेश पत्र प्राप्त करने के लिए उपरोक्त सूची के प्रकाशन के बाद HBCSE की वेबसाइट (olympiads.hbcse.tifr.res.in) पर अपना पंजीकरण कराना होगा। INO में उपस्थित होने के लिए यह पंजीकरण अनिवार्य है। अभ्यर्थी को INO के लिए पंजीकरण करने में विफल होने के परिणामस्वरूप INO के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

इन परीक्षाओं का अस्थायी कार्यक्रम नीचे दिया गया है। कार्यक्रम की अनुसूची की पुष्टि और आईएनओ से संबंधित सभी आवश्यक दिशा - निर्देश ऊपर दी गयी वेबसाइट पर ही उपलब्ध होंगे। जहां तक संभव हो अलग-अलग विषयों में राष्ट्रीय ओलंपियाड अलग-अलग दिनों/समय पर आयोजित किए जाते हैं ताकि कोई विद्यार्थी जो एक से अधिक विषयों में भाग लेने के लिए अर्ह हो, वह ऐसा कर सके। आईएनओ में उपस्थित होने वाले विद्यार्थी कार्यक्रम के मानदंडों के अनुसार यात्रा एवं व्यय भत्ते के लिए अर्ह हैं।

आईएनओ के लिए अर्हता

पहले चरण की परीक्षा का उद्देश्य व्यापक पहुंच बनाना, इस पहुंच को उत्तरोत्तर बढ़ाना और योग्यता से अनावश्यक समझौता किए बिना द्वितीय चरण के लिए राष्ट्रव्यापी प्रतिनिधित्व प्राप्त करना है। इसलिए द्वितीय चरण की परीक्षा , यानी, भारतीय राष्ट्रीय ओलंपियाड परीक्षा (आईएनओ) के लिए चयन निम्नलिखित योजना पर आधारित है:

- प्रत्येक एनएसई (NSEA, NSEB, NSEC, NSEP) के छात्र समूह को दो वर्गों में विभाजित किया जाएगा:
    - वर्ग A: वे छात्र जो 30 नवंबर, 2026 तक कक्षा XII में हैं।
    - वर्ग B: वे छात्र जो 30 नवंबर, 2026 तक कक्षा XI या X में हैं।

- चरण II (INO) के लिए न्यूनतम लक्ष्य संख्या N निर्धारित की गई है। यह संख्या जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिकी के प्रत्येक समूह A और B के लिए N = 200 होगी, और खगोलशास्त्र के लिए N = 250 होगी। इस प्रकार, कुल मिलाकर कम से कम 400 छात्रों INBO/INChO/INPhO के लिए और 500 छात्रों का चयन किया जाएगा INAO के लिए।
- प्रत्येक समूह के लिए छात्रों का चयन नीचे दिए गए अनुच्छेदों (ख) से (च) के अनुसार अलग-अलग किया जाएगा। विशेष रूप से, न्यूनतम स्वीकार्य अंक (MAS) और (ख) योग्यता सूचकांक (MI) प्रत्येक समूह में प्रत्येक विषय के लिए अलग-अलग गणना किए जाएंगे।
- NSE 2026 और INO 2027 का पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र प्रत्येक विषय में दोनों समूहों के लिए समान होंगे।

(क) **न्यूनतम स्वीकार्य स्कोर (एमएएस) उपखण्ड:** अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड की द्वितीय चरण की परीक्षा (आईएनओ) के अर्ह होने के लिए, एक उम्मीदवार को न्यूनतम स्वीकार्य स्कोर (एमएएस) के बराबर या उससे अधिक अंक प्राप्त करने होंगे। किसी दिए गए विषय के लिए एमएएस उस विषय के शीर्ष दस स्कोर के औसत का 50% होगा, जिसे निकटतम निचले पूर्णांक तक पूर्णांकित किया जाएगा। यह खंड किसी भी छात्र के लिए खंड (ख) से (च) तक लागू होने की पूर्व शर्त होगी।

उदाहरण:

i. मान लीजिए कि किसी विषय में NSE में शीर्ष दस अंकों का औसत 92.3 है; तो उसका 50% होगा 46.15। ऐसे में MAS 46 निर्धारित किया जाएगा।

ii. मान लीजिए कि किसी विषय में NSE में शीर्ष दस अंकों का औसत 93.5 है; तो उसका 50% होगा 46.75। इस स्थिति में भी MAS 46 निर्धारित किया जाएगा।

(ख) **योग्यता सूचकांक (एमआई) उपखण्ड:** ओलंपियाड में प्रत्येक विषय से जुड़ा एक उच्च स्कोर होगा जिसे योग्यता सूचकांक या मेरिट इंडेक्स (एमआई) कहा जाएगा। किसी विषय में एमआई को उस विषय के शीर्ष दस स्कोर के औसत के 80% के रूप में परिभाषित किया गया है जिसे निकटतम निचले पूर्णांक तक पूर्णांकित किया गया है। विषय के लिए योग्यता सूचकांक एमआई के बराबर या उससे अधिक अंक वाले सभी विद्यार्थी स्वचालित रूप से उस विषय में आईएनओ द्वितीय चरण की परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर लेंगे।

उदाहरण:

यदि किसी विषय में शीर्ष दस अंकों का औसत 92.3 है, तो इसका 80% 73.84 है। तब उस विषय में एमआई 73 होगा। उस विषय में 73 के बराबर या उससे अधिक अंक वाले सभी उम्मीदवार स्वचालित रूप से आईएनओ द्वितीय चरण के लिए अर्हता प्राप्त कर लेंगे।

(ग) **आनुपातिक प्रतिनिधित्व उपखण्ड:** सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के छात्रों को पहले चरण की परीक्षा में बैठने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता को देखते हुए आईएनओ द्वितीय चरण के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रतिनिधित्व वांछनीय है। प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश (State/UT) के लिए एक कोटा, जो पूर्व में राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (NTSE) पर आधारित है, लागू किया जाएगा, जिससे उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के स्कूलों से प्रत्येक विषय में INO के लिए योग्य छात्रों की संख्या (न्यूनतम 4) निर्धारित की जाएगी। इस संख्या में योग्यता सूचकांक (MI, ऊपर उल्लिखित खंड (ख)) के आधार पर चयनित छात्र भी शामिल होंगे। सूची में अंतिम स्थान पर बराबरी की स्थिति में, उस स्थान पर समान अंक वाले सभी छात्र INO में उपस्थित होने के योग्य होंगे। हालांकि, चयनित छात्रों को न्यूनतम स्वीकार्य स्कोर (खंड (क)) की शर्तों को भी पूरा करना होगा।

उदाहरण:

i. मान लीजिए कि अनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर राज्य S1 का कोटा 20 है। अगर किसी विषय में मेरिट इंडेक्स खंड (ख) को पूरा करने वाले छात्रों की संख्या 10 है, तो ये 10 छात्र उस विषय के लिए INO परीक्षा के लिए पात्र होंगे, और राज्य S1 से उस विषय के अतिरिक्त 10 छात्रों का चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा, बशर्ते वे MAS खंड (क) को पूरा करते हों।

ii. मान लीजिए कि अनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर राज्य S1 का कोटा 20 है। अगर किसी विषय में मेरिट इंडेक्स खंड (ख) को पूरा करने वाले छात्रों की संख्या 30 है, तो इस स्थिति में सभी 30 छात्र उस विषय के लिए INO परीक्षा के लिए पात्र होंगे, और राज्य S1 से आगे कोई चयन नहीं किया जाएगा।

(घ) **न्यूनतम कुल संख्या उपखंड**: प्रत्येक विषय में, जब उपरोक्त सभी मापदंड लागू किए जा चुके हैं, तो ऐसा संभव है कि INO के लिए चयनित किए जाने वाले N छात्रों की

लक्ष्य संख्या पूरी न हो (कुछ राज्यों में MAS खंड (क) को पूरा करने वाले पर्याप्त छात्रों की अनुपलब्धता के कारण)। ऐसी स्थिति में, अतिरिक्त छात्रों का चयन केवल मेरिट के आधार पर किया जाएगा, बशर्ते वे MAS खंड (क) को पूरा करते हों, ताकि N की लक्ष्य संख्या पूरी हो सके। इन छात्रों के लिए अन्य खंड लागू नहीं होंगे। यदि अंतिम स्थान पर अंक समान होते हैं, तो उस स्थान पर समान अंक वाले सभी छात्र INO परीक्षा के लिए पात्र होंगे।

(ङ) **महिला छात्रों के लिए अतिरिक्त कोटा उपखंड:** महिला छात्रों के लिए एक अतिरिक्त कोटा लागू किया जाएगा ताकि प्रत्येक विषय में INO के लिए चयनित कुल छात्रों में कम से कम 20% महिलाएं हों। "महिला" छात्रा की परिभाषा छात्रा द्वारा NSE पंजीकरण के समय स्वयं को स्पष्ट रूप से "महिला" के रूप में पहचानने पर आधारित होगी। इस कोटे का कार्यान्वयन MAS खंड (क) के अधीन होगा। प्रत्येक विषय में, यह खंड केवल तभी लागू किया जाएगा यदि NSE से INO के लिए अर्हता प्राप्त करने के खंड (क) से (घ) तक लागू करने के बाद महिला छात्रों की कुल संख्या 20% के लक्षित कोटे से कम हो। यदि खंड (क) से (घ) के लागू होने से पहले ही महिला छात्रों का यह अनुपात लक्षित प्रतिशत तक पहुँच चुका है, तो इस कोटे को लागू नहीं किया जाएगा। यदि महिला छात्रों का अनुपात लक्षित संख्या से कम है, तो मेरिट के क्रम में, MAS के योग्य महिला छात्रों को, चाहे वे किसी भी क्षेत्र से हों, सूची में जोड़ा जाएगा ताकि लक्षित संख्या पूरी हो सके (छात्रों की संख्या को उच्च निकटतम पूर्णांक तक पूर्ण किया जाएगा)। यदि किसी विषय में MAS से ऊपर पर्याप्त महिला छात्र नहीं होती हैं, तो इस खंड के अनुसार आवश्यक संख्या पूरी नहीं हो पाएगी, और यह कमी किसी अन्य श्रेणी या उपखंड में स्थानांतरित नहीं की जाएगी।

उदाहरण:

मान लीजिए कि खंड (क) से (घ) लागू करने के बाद, किसी विषय में चयनित छात्रों की कुल संख्या 210 है। अब तीन परिदृश्यों पर विचार करें:

i. इन 210 छात्रों में से 45 महिला छात्र हैं। इस स्थिति में, महिला छात्रों के लिए कोटा लागू नहीं किया जाएगा क्योंकि 210 का 20% यानी 42 का लक्षित कोटा पहले ही पूरा हो चुका है।

ii. इन 210 छात्रों में से 35 महिला छात्र हैं। इस स्थिति में, कोटा लागू किया जाएगा क्योंकि 210 का 20% यानी 42 पूरा नहीं हुआ है। मान लीजिए कि MAS से ऊपर 50 महिला छात्र हैं जो अभी तक INO के लिए चयनित नहीं हुई हैं। फिर 9 महिला छात्रों को मेरिट के क्रम में INO सूची में जोड़ा जाएगा। इससे कुल छात्रों की संख्या 210+9 = 219 हो जाएगी और महिला छात्रों की संख्या 35+9 = 44 हो जाएगी, जो लक्षित 20% यानी 43.8 के सबसे निकट पूर्णांक है। ध्यान दें कि 9, और न कि 8 महिला छात्रों को जोड़ा जाना आवश्यक है।

iii. इन 210 छात्रों में से 35 महिला छात्र हैं। इस स्थिति में भी, कोटा लागू किया जाएगा क्योंकि 210 का 20% यानी 42 पूरा नहीं हुआ है। हालांकि, मान लीजिए कि MAS से ऊपर केवल 5 महिला छात्र हैं जो अभी तक INO के लिए चयनित नहीं हुई हैं। फिर केवल इन्हीं 5 छात्रों को INO सूची में जोड़ा जाएगा, भले ही महिला छात्रों का अनुपात 40/215 = 19% रहेगा, जो 20% के लक्षित अनुपात से कम है। MAS खंड (क) किसी भी अतिरिक्त महिला छात्रों को जोड़ने की अनुमति नहीं देता।

(च) **पिछला अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व उपखंड:** जो उम्मीदवार पहले किसी अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड (IOAA, IBO, IChO, या IPhO) में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, उन्हें संबंधित विषय में पहले चरण की NSE परीक्षा में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। जो उम्मीदवार एशियन फिजिक्स ओलंपियाड (APhO) और इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (IOAA-Jr) में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, उन्हें क्रमशः NSEP और NSEA परीक्षाओं में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। जो उम्मीदवार NSE परीक्षाओं को छोड़ने के लिए योग्य हैं, वे nc_olympiad@hbcse.tifr.res.in पर लिखित अनुरोध द्वारा ईमेल के माध्यम से भारतीय राष्ट्रीय ओलंपियाड (INO) परीक्षा (केवल संबंधित विषय में) के लिए सीधे उपस्थित हो सकते हैं, बशर्ते वे अन्य पात्रता मानदंड जैसे आयु, अध्ययन की कक्षा, प्री-कॉलेज स्थिति आदि को पूरा करते हों।

भारतीय राष्ट्रीय ओलंपियाड परीक्षाओं (आईएनओ) में चयन के लिए कोई अन्य मानदंड या प्रावधान नहीं होगा।

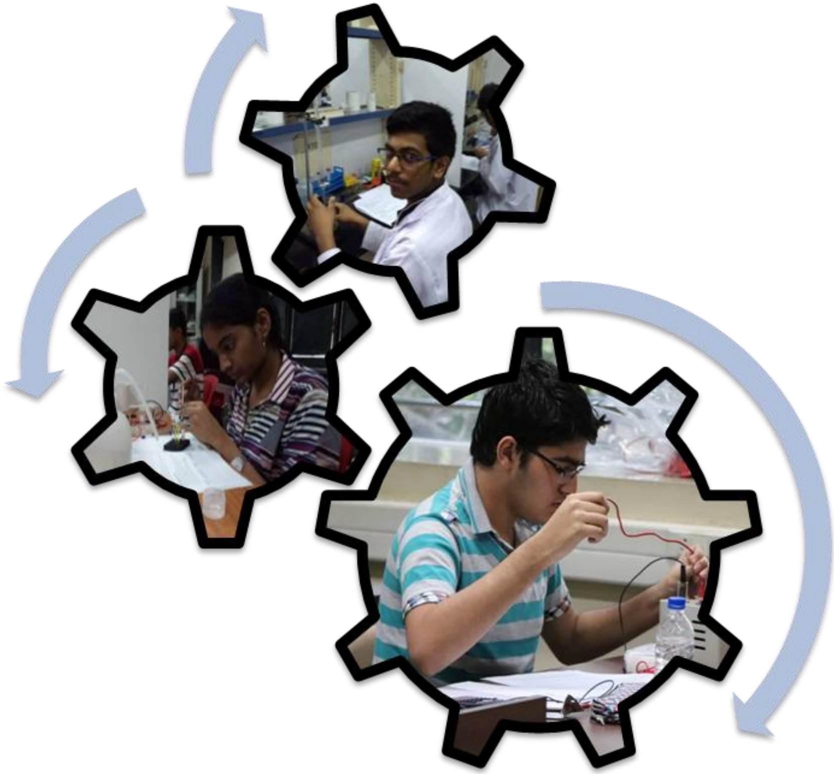

Second stage Examination	Date & Time of Examination	Venues	Language	Syllabus
Indian National Astronomy Olympiad (INAO)	January 30, 2027 (Saturday) 9:00 – 12:00 hrs	Ahmedabad Bengaluru Bhopal Bhubaneswar Chandigarh Chennai Delhi Guwahati Hyderabad Jaipur Kochi Kolkata Lucknow Mumbai Nagpur Patna Ranchi	English & Hindi	Is broadly equivalent to NSEA
Indian National Chemistry Olympiad (INChO)	January 30, 2027 (Saturday) 13:30 – 16:30 hrs		English & Hindi	Is broadly equivalent to NSEC
Indian National Physics Olympiad (INPhO)	January 31, 2027 (Sunday) 9:00 – 12:00 hrs		English & Hindi	Is broadly equivalent to NSEP
Indian National Biology Olympiad (INBO)	January 31, 2027 (Sunday) 13:30 – 15:30 hrs		English & Hindi	Is broadly equivalent to NSEB

आईएनओ में प्रश्न और समस्याएं, यद्यपि उपर्युक्त सीबीएसई पाठ्यक्रम में सीमित हैं, तथापि यह सामान्यतः गैर-पारंपरिक और उच्च कठिनाई स्तर की होती हैं, जो अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड के बराबर होती हैं।

तृतीय चरण अभिमुखीकरण -सह-चयन शिविर (ओसीएससी) (OCSCs)

भारतीय राष्ट्रीय ओलंपियाड में प्रदर्शन के आधार पर प्रत्येक विषय में छात्रों का चयन उस विषय में ओरिएंटेशन-कम-सिलेक्शन कैंप (ओसीएससी) के लिए किया जाएगा। इन शिविरों में छात्रों को ओलंपियाड स्तर के सैद्धांतिक, प्रायोगिक और अवलोकन संबंधी (खगोल विज्ञान के लिए) कार्यों के लिए अभिमुखीकरण प्रदान किया जाता है। मूल अवधारणा एवं समस्या-समाधान कौशल विकसित करने पर जोर दिया जाता है। छात्रों को प्रायोगिक विज्ञान में वैचारिक और प्रक्रियात्मक समझ पर ध्यान देने के साथ नवीन प्रयोगों से अवगत कराया जाता है। खगोल विज्ञान में, छात्रों को खगोल भौतिकी, खगोलीय आंकड़ों के विश्लेषण और रात्रि आकाश अवलोकन में बुनियादी अवधारणाओं में प्रशिक्षित किया जाता है।

इस शिविर के दौरान कई सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक/अवलोकनात्मक परीक्षण आयोजित किए जाते हैं। इन परीक्षणों में प्रदर्शन के आधार पर, कुछ छात्रों (नीचे निर्दिष्ट संख्या) को अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाता है। इन छात्रों को पुस्तकों और नकदी के रूप में योग्यता पुरस्कार भी मिलते हैं। इसके अलावा, सिद्धांत और प्रयोगों में मेधावी प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए प्रत्येक विषय में विशेष पुरस्कार भी होते हैं। शिविर का समापन एक समापन समारोह के साथ होता है जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को छात्रों से वार्ता करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

International Olympiad	No of students selected
International Olympiad on Astronomy and Astrophysics (IOAA)	5
International Biology Olympiad (IBO)	4
International Chemistry Olympiad (IChO)	4
International Physics Olympiad (IPhO)	5

ओसीएससी OCSCs के लिए चयन प्रक्रिया:

जैविकी, रसायन विज्ञान और भौतिकी के लिए प्रत्येक INO में योग्यता के अनुसार वर्ग A और वर्ग B से 20-20 छात्रों (चरण II के समान) का चयन किया जाएगा। खगोलशास्त्र के लिए INAO में योग्यता के अनुसार वर्ग A से 15 और वर्ग B से 35 छात्रों का चयन किया जाएगा।

इस प्रकार, जब तक INO परीक्षाओं से पहले अन्यथा घोषित नहीं किया जाता, कुल 40 छात्रों का चयन OCSC-बायोलॉजी, OCSC-रसायन विज्ञान, और OCSC-भौतिकी के लिए, और 50

छात्रों का चयन OCSC-खगोलशास्त्र के लिए किया जाएगा। यदि योग्यता सूची में अंतिम स्थान पर अंक समान होते हैं, तो अंतिम स्थान पर समान अंक वाले सभी छात्रों को OCSC के लिए चयनित माना जाएगा।

भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसी भी अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड टीम का चयन ऊपर के समूहों के आधार पर नहीं किया जाएगा। चयन केवल संबंधित विषय में OCSC में उपस्थित सभी छात्रों की संयुक्त मेरिट सूची के आधार पर किया जाएगा।

ओसीएससी के लिए छात्रों के चयन के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया लागू की जाएगी।
किसी दिए गए वर्ष में, एक छात्र, स्वयं द्वारा तय किए गए वरीयता क्रम के अनुसार गणित सहित केवल एक विषय के अभिमुखीकरण /प्रशिक्षण/चयन में भाग ले सकता है (चार विज्ञान विषयों के लिए ओसीएससी, या अंतर्राष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड प्रशिक्षण शिविर (आईएमओटीसी)) । एक विद्यार्थी जो एक से अधिक विषयों में अर्हता प्राप्त करता है (आईएनओ या भारतीय राष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड (आईएनएमओ) में उसके प्रदर्शन के आधार पर) को ओसीएससी में आमंत्रित किया जाएगा जो उसकी वरीयता सूची में सर्वोच्च स्थान पर है।
इसकी प्रक्रिया निम्नलिखित है -

• **आईएनओ/आईएनएमओ से पहले:** एक विद्यार्थी जो आईएनओ/आईएनएमओ में एक से अधिक विषयों में उपस्थित होने के लिए अर्हता प्राप्त करता है, उसे ओसीएससी/आईएमओटीसी में भाग लेने के लिए प्राथमिकता के क्रम में विषयों को व्यवस्थित करने के लिए कहा जाएगा (और इस ही के लिए अंतरराष्ट्रीय टीम में चयन के लिए प्रतिस्पर्धा करनी होगी) । यह प्राथमिकता आईएनओ के लिए अनिवार्य पंजीकरण के दौरान ही बतानी होगी। इससे किसी भी विषय में उसके आईएनओ/आईएनएमओ प्रदर्शन के मूल्यांकन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

• **आईएनओ/आईएनएमओ के बाद:** प्रत्येक विषय के ओसीएससी शिविर में लक्षित संख्या में छात्रों को आमंत्रित किया जाएगा। प्रत्येक विषय में छात्रों को संबंधित आईएनओ/आईएनएमओ में उनके प्रदर्शन के अनुसार रैंक दी जाएगी।
यदि कोई विद्यार्थी कई विषयों में आईएनओ में अर्हक अंक प्राप्त करता है, तो उसे केवल उस विषय के लिए ओसीएससी/आईएमओटीसी में शामिल किया जाएगा, जो उन विषयों में उसकी वरीयता सूची में सबसे अधिक है, जिसमें उसने अर्हक अंक प्राप्त किए हैं। अन्य विषयों में ओसीएससी/आईएमओटीसी के लिए उसके नाम पर विचार नहीं किया जाएगा और उन विषयों में अगले छात्रों पर तब तक विचार किया जाएगा, जब तक कि प्रत्येक विषय में छात्रों की संख्या लक्ष्य संख्या तक नहीं पहुंच जाती।

ओसीएससी/आईएमओटीसी में चयन या भागीदारी के बावजूद, विद्यार्थी को प्रत्येक विषय में योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त होगा जिसमें उसका स्कोर उस विषय में अंतिम चयनित विद्यार्थी के स्कोर के बराबर या उससे अधिक है।

चयन की प्रक्रिया को तीन संभावित मामलों के साथ एक उदाहरण में नीचे दर्शाया गया है। हम एक छात्रा अमिता का उदाहरण लेते हैं, जिसने खगोल विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान में आईएनओ के लिए अर्हता प्राप्त की है। INO से पहले, उसने अपनी प्राथमिकता की घोषणा इस क्रम में की है : भौतिकी, रसायन विज्ञान, खगोल विज्ञान। इस उदाहरण में, प्रत्येक विषय में छात्रों की लक्षित संख्या 35 है।

पहली दशा : अपने आईएनओ प्रदर्शन के आधार पर, अमिता को भौतिकी में 17वां, रसायन विज्ञान में 15वां और खगोल विज्ञान में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। उसका चयन भौतिकी ओसीएससी में किया जाएगा और उसका नाम रसायन विज्ञान या खगोल विज्ञान ओसीएससी में शामिल नहीं किया जाएगा। परिणामस्वरूप, रसायन विज्ञान और खगोल विज्ञान में उसके नीचे रैंक वाले सभी छात्रों को ओसीएससी चयन के लिए विचार किए जाने पर एक रैंक हासिल होगी। अमिता को तीनों विषयों में योग्यता प्रमाण पत्र मिलेगा।

दूसरी दशा : अमिता को भौतिकी में 80वां, रसायन विज्ञान में 15वां और खगोल विज्ञान में चौथा स्थान मिला है। उसके फिजिक्स ओसीएससी के लिए चुने जाने की संभावना नहीं है क्योंकि उसकी रैंक इतनी कम है कि उसे 35 से ऊपर अपग्रेड नहीं किया जा सकता। अब उसका चयन रसायन विज्ञान ओसीएससी में किया जाएगा, न कि खगोल विज्ञान के लिए। उसे रसायन विज्ञान और खगोल विज्ञान में योग्यता का प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।

तीसरी दशा : अमिता को भौतिकी में 22 वां, रसायन विज्ञान में 15वां और खगोल विज्ञान में चौथा स्थान मिला है। वह प्रारंभ में भौतिकी के लिए योग्य नहीं थी, लेकिन रसायन विज्ञान और खगोल विज्ञान के लिए योग्य थी। हालाँकि, ऐसा होता है कि भौतिकी में उससे ऊपर रैंक वाले दो छात्रों को उनकी प्राथमिकताओं के आधार पर किसी अन्य विषय में चुना जाता है। चूँकि उनके नाम अब भौतिकी सूची से हटा दिए गए हैं, अमिता की रैंक 20 हो गई है, और वह भौतिकी के लिए अर्ह हो गई है जो कि उसकी पहली प्राथमिकता है। इसलिए, उसका चयन रसायन विज्ञान या खगोल विज्ञान में नहीं, बल्कि भौतिकी में हो जाता है। उसे तीनों विषयों में योग्यता का प्रमाण पत्र मिलेगा।

ओसीएससी का कार्यक्रम :

ओसीएससी तिथियों की घोषणा एचबीसीएसई वेबसाइट (**olympiads.hbcse.tifr.res.in**) पर **15** जनवरी **2027** तक की जाएगी।

जहां तक संभव हो**,** इस बात का ध्यान रखा जाता है कि शिविर की तारीखें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे आईआईटी-जेईई या नीट) के साथ मेल न खाएं। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे ओसीएससी अवधि के दौरान निर्धारित होने वाली किसी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के लिए मुंबई को अपने परीक्षा केंद्र के रूप में चुनें।

भारतीय टीमों (आईओएए, आईबीओ, आईसीएचओ और आईपीएचओ) के सदस्यों का चयन इस शर्त पर किया जाता है कि वे आयु सीमा, पूर्व-विश्वविद्यालय स्थिति, चिकित्सा फिटनेस, माता-पिता/अभिभावक की सहमति आदि जैसे आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं। इसके अलावा, शुरुआत से ही ओसीएससी के लिए उनके पास एक भारतीय पासपोर्ट होना चाहिए जो संबंधित अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड की तारीखों से कम से कम छह महीने बाद तक वैध हो।

अंतरराष्ट्रीय टीम, विशेष योग्यता पुरस्कार विजेताओं और अन्य पुरस्कार विजेताओं के चयन के संबंध में विभिन्न विषयों में आईएनओ और ओसीएससी की परीक्षा समितियों के निर्णय को अंतिम माना जाएगा।

चतुर्थ चरण एचबीसीएसई में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड के लिए भारतीय टीमों का प्रशिक्षण

चयनित भारतीय टीमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड के लिए प्रस्थान से पहले सिद्धांत और प्रयोग (खगोल विज्ञान की दशा में अवलोकन संबंधी) में एचबीसीएसई में एक कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम से गुजरती हैं। इस उद्देश्य के लिए एचबीसीएसई में विशेष प्रयोगशालाएँ विकसित की गई हैं। प्रशिक्षण शिविरों में देश भर के विभिन्न संस्थानों से प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया जाता है। संबंधित अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड के नियमों के अनुसार कुछ विषयों में प्रशिक्षण की अधिकतम अवधि सीमित हो सकती है।

Stage V अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भागीदारी

भारतीय छात्र दल के साथ टीम लीडर और वैज्ञानिक पर्यवेक्षक अंतर्राष्ट्रीय स्थल पर आयोजित ओलंपियाड कार्यक्रम में जाते हैं।

Subject	Team Composition	Venue	Month
Physics (57th IPhO)	5 Students 2 Teacher Leaders	Saudi Arabia	July 2027
Chemistry (59th IChO)	4 Students 2 Teacher Leaders	Chinese Taipei	July 2027
Biology (38th IBO)	4 Students 2 Teacher Leaders	Poland	July 2027
Astronomy & Astrophysics (20th IOAA)	5 Students 2 Teacher Leaders	TBA	August/ September 2027

[प्रत्येक टीम के साथ कई वैज्ञानिक पर्यवेक्षक भी हो सकते हैं।]

राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम में शिक्षकों की भागीदारी

राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम में पूरे भारत से बड़ी संख्या में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक और विश्वविद्यालय के शिक्षक शामिल होते हैं। उनमें से कई को पूरे वर्ष एचबीसीएसई में संसाधन सृजन शिविरों (आरजीसी) में आमंत्रित किया जाता है। शिक्षकों को ओलंपियाड के शैक्षणिक और संगठनात्मक पहलुओं से परिचित कराने के लिए एचबीसीएसई में अनावरण (एक्सपोजर) कैंप भी आयोजित किए जाते हैं। आमतौर पर ये शिविर कैलेंडर वर्ष की दूसरी छमाही में आयोजित किए जाते हैं। शिक्षकों को एक्सपोज़र शिविरों में भाग लेने के लिए हमारी वेबसाइट पर नज़र रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय प्रदर्शन

1998 में भागीदारी शुरू होने के बाद से भारतीय छात्रों ने सभी अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। लगभग हर विद्यार्थी ने स्वर्ण, रजत, कांस्य पदक या सम्मानजनक उल्लेख जीता है। पिछले कुछ वर्षों में कई भारतीय छात्रों ने सैद्धांतिक या प्रायोगिक घटकों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए विशेष पुरस्कार भी जीते हैं।

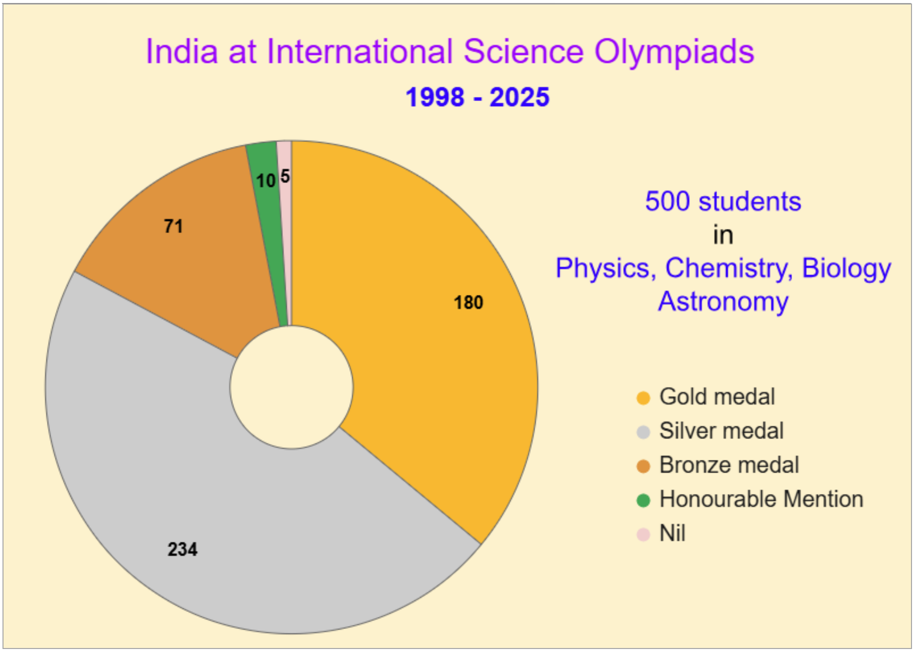

ओलंपियाड: विज्ञान में करियर के लिए एक प्रेरणा

ओलंपियाड का अनूठा अनुभव युवा छात्रों को विज्ञान के साथ अपनी आकर्षक यात्रा जारी रखने के लिए प्रेरित करता है। हमारे पिछले ओलंपियाड के अधिकांश छात्रों ने अकादमिक करियर चुना है और उनमें से कई आज भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में शिक्षणरत में हैं। कई अन्य लोग वर्तमान में विज्ञान और इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों में अनुसंधान करियर में रत हैं। यहां एक छोटा सा नमूना दिया गया है।

अन्य ओलिंपियाड से जुड़ी ध्यान योग्य बातें

- **अंतर्राष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड (आईएमओ):** एचबीसीएसई गणितीय ओलंपियाड के लिए एक नोडल केंद्र भी है। इस ओलंपियाड में चयन का विवरण एक अलग विवरणिका और एचबीसीएसई वेबसाइट पर भी मिल सकता है: **olympiads.hbcse.tifr.res.in**

हम नीचे विज्ञान विषयों में कुछ अन्य मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड का उल्लेख कर रहे हैं, लेकिन उनमें भागीदारी सीधे एचबीसीएसई द्वारा आयोजित नहीं की जाती है।

- **अंतर्राष्ट्रीय जूनियर साइंस ओलंपियाड** (IJSO): भागीदारी **IAPT** द्वारा आयोजित की जाती है। इस ओलंपियाड के इच्छुक छात्रों को आम तौर पर पहले चरण की एनएसई जेएस परीक्षा और उसके बाद दूसरे चरण की आईजेएसओ परीक्षा में शामिल होना होगा। आगे के चयन और प्रशिक्षण का विवरण **IAPT** द्वारा तय किया जाता है और आप उनकी वेबसाइट **(www.iapt.org.in)** से परामर्श कर सकते हैं।
- **एशियाई भौतिकी ओलंपियाड (एपीएचओ):** इसकी भागीदारी भी आईएपीटी द्वारा आयोजित की जाती है। इस ओलंपियाड के इच्छुक छात्रों को आम तौर पर पहले चरण की एनएसईपी परीक्षा और उसके बाद दूसरे चरण की आईएनपीएचओ परीक्षा में शामिल होना होगा। आगे के चयन और प्रशिक्षण का विवरण **IAPT** द्वारा तय किया जाता है और आप उनकी वेबसाइट **(www.iapt.org.in)** से परामर्श कर सकते हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान ओलंपियाड** - जूनियर (आईएओ - जूनियर): भागीदारी राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) द्वारा आयोजित की जाती है। इस ओलंपियाड के इच्छुक छात्रों को आमतौर पर पहले चरण की एनएसई जेएस परीक्षा में शामिल होना होगा। आगे के चयन और प्रशिक्षण का विवरण एनसीएसएम द्वारा तय किया जाता है और आप उनकी वेबसाइट **(www.nehrusciencecentre.gov.in)** से परामर्श कर सकते हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड** (IESO): भागीदारी का आयोजन जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा किया जाता है और अधिक जानकारी के लिए आप उनकी वेबसाइट **(www.geosocindia.org)** से परामर्श कर सकते हैं।
- **इंटरनेशनल ओलंपियाड इन इंफॉर्मेटिक्स (आईओआई):** भागीदारी का आयोजन इंडियन एसोसिएशन फॉर रिसर्च इन कंप्यूटिंग साइंस द्वारा किया जाता है और अधिक जानकारी के लिए आप उनकी वेबसाइट **(www.iarcs.org.in/inoi)** से परामर्श कर सकते हैं।

हम छात्रों और शिक्षकों को 'ओलंपियाड' नामक कई निजी परीक्षाओं के बारे में सावधान करते हैं, जो उच्च शुल्क ले सकते हैं, भारत सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त नहीं हैं और जो अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में भागीदारी का कारण नहीं बनती हैं।

Queries and Grievances

All queries regarding Stage I examinations (NSEs) should be addressed to Chief Coordinator, IAPT Examinations (see page 8).

For general queries regarding Astronomy, Biology, Chemistry, Physics Olympiad programmes you may contact:

Prof. Anwesh Mazumdar
National Coordinator, Science Olympiads
Homi Bhabha Centre for Science Education (TIFR),
V. N. Purav Marg, Mankhurd, Mumbai 400 088
Tel: 022-2507 2322
Email: nc_olympiad@hbcse.tifr.res.in

For more information, visit the website: olympiads.hbcse.tifr.res.in

केवल **मुंबई की अदालतों को एचबीसीएसई द्वारा आयोजित ओलंपियाड और इंडियन नेशनल ओलंपियाड (आईएनओ) और उसके बाद की परीक्षाओं से संबंधित सभी मामलों और विवादों को निपटाने और निर्णय लेने का अधिकार होगा क्योंकि एचबीसीएसई इस कार्यक्रम के लिए नोडल आयोजन संस्थान है।**

अप्रत्याशित स्थिति में इस विवरणिका की जानकारी संशोधन के अधीन है।

भारतीय राष्ट्रीय ओलंपियाड के प्रश्नपत्र और उत्तर यहाँ उपलब्ध हैं:
http://olympiads.hbcse.tifr.res.in/how-to-prepare/past-papers

Olympiad books available at HBCSE

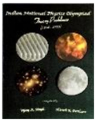

Indian National Physics Olympiad - Theory Problems (1998 - 2005) *Vijay A. Singh* and *Shirish R. Pathare*
Price Rs. 50/- (at HBCSE) / **Rs. 90/-** (by post)

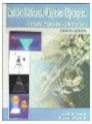

Indian National Physics Olympiad - Theory Problems and Solutions (2006 – 2009)
Vijay A. Singh and *Praveen Pathak*
https://olympiads.hbcse.tifr.res.in/how-to-prepare/olympiad-books/attachment/inpho-2006-09/

Indian National Chemistry Olympiad - Theory Papers with Solutions (2002-2004)
Savita Ladage and Swapna Narvekar
http://chem.hbcse.tifr.res.in/indian-national-chemistry-olympiad-2002-2007/

Indian National Chemistry Olympiad - Theory Papers with Solutions (2005-2007)
Savita Ladage and *Swapna Narvekar*
http://chem.hbcse.tifr.res.in/indian-national-chemistry-jjolympiad-2002-2007

Experimental Problems in Chemistry
Savita Ladage, Swapna Narvekar and Indrani Sen
http://chem.hbcse.tifr.res.in/wp-content/uploads/2019/05/Experimental-problems-in-Chemistry-2003-2007.pdf

Glimpses of Indian National Chemistry Olympiad Problems Celebrating 25 Years
Anupa Kumbhar, Ankush Gupta, Lakshmi Ravishankar, Indrani Das Sen, Radha V. Jayaram, Savita Ladage
Price Rs. 550/- (at HBCSE) / **Rs. 620/-** (by post)

Indian National Biology Olympiad -Theory Papers (2002-2004)
Rekha Vartak and Anupama Ronad
Price Rs. 90/- (at HBCSE) / **Rs. 140/-** (by post)

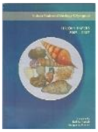

Indian National Biology Olympiad - Theory Papers (2005-2007)
Rekha Vartak and Anupama Ronad.
https://olympiads.hbcse.tifr.res.in/bio-theory-2005-2007/

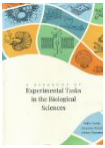

A Handbook of Experimental Tasks in the Biological Sciences
Rekha Vartak, Anupama Ronad and Vikrant Ghanekar
Price Rs. 550/- (at HBCSE) / **Rs. 620/-** (by post)

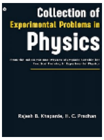

Collection of Experimental Problems in Physics
Rajesh B. Khaparde, H.C. Pradhan
Price Rs. 249/- (at HBCSE) / **Rs. 300/-** (by post)

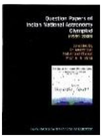

Question Papers of Indian National Astronomy Olympiad (1999- 2008)
Aniket Sule, Anand Ghaisas and M. N. Vahia, Manovikas Prakasha
Price Rs. 100/- (at HBCSE) / **Rs. 150/-** (by post)

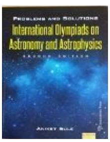

Problems and Solutions of International Olympiad on Astronomy and Astrophysics (2007 -2014)
Editor: Dr. Aniket Sule, Universities Press India Pvt. Ltd
Price Rs. 450/- (at HBCSE) / **Rs. 500/-** (by post)

For purchase by post, the Demand Draft/ Cheque includes postage charges for registered parcel and should be drawn in favour of ***Homi Bhabha Centre for Science Education,*** *payable at Mumbai* and sent to:

HBCSE Publications Section
Homi Bhabha Centre for Science Education (TIFR)
V. N. Purav Marg, Mankhurd, Mumbai 400 088

INDIAN DELEGATION
18th International Olympiad on Astronomy and Astrophysics 2025
at Mumbai, India

From left to right: Prof. Kinjalk Lochan (Scientific Observer), Prof. Pankaj Kushwaha (Scientific Observer), Prof. Jasjeet Bagla (Leader), Akshat Srivastava (Student - Gold), Sumant Gupta (Student - Silver), Panini (Student - Gold), Banibrata Majee (Student - Gold), Aarush Mishra (Student - Gold), Prof. Mamta Gulati (Scientific Observer)

INDIAN DELEGATION
36^{th} International Biology Olympiad 2025
at Quezon, Philippines

From left to right: Dr. Saurabh Mahajan (Scientific Observer), Mr. Vikrant Ghanekar (Leader), Prof. Purushottam G. Kale (Leader), Rudra Kaushikbhai Pethani (Student - Gold), Bhavyaa Gunwal (Student - Silver), Subhrojit Paul (Student - Silver), Vedant Sujit Sakre (Student - Gold), Dr. Mayuri Rege (Scientific Observer), Mr. Sachin Rajgopalan (Scientific Observer).

INDIAN DELEGATION
57^{th} International Chemistry Olympiad 2025
at Dubai, United Arab Emirates

From left to right: Dr. Neeraja Dashaputre (Scientific Observer), Dr. Amrit Mitra (Scientific Observer), Ujjwal Kesari (Student - Silver), Sandeep Kuchi (Student - Gold), Devesh Pankaj Bhaiya (Student - Gold), Debadatta Priyadarshi (Student – Silver), Prof. Seema Gupta (Mentor), Prof. Ankush Gupta (Head Mentor).

INDIAN DELEGATION
55th International Physics Olympiad 2025
at Paris, France

From left to right: Mr. Vinayak Katdare (Leader), Snehil Jha (Student - Gold), Rajit Gupta (Student - Silver), Riddhesh Anant Bendale (Student - Gold), Kanishk Jain (Student - Gold), Aagam Jignesh Shah (Student - Silver), Dr. Amruta Sadhu (Scientific Observer) Prof. Sitikantha Das (Leader).